नि:शुल्कऔरअनिवायर्बालनशक्षाकाअनिकार अनिनिर्म,2009

ि◌ाराओंकाक्रम

ि◌ाराएं

अध्र्◌ा-1

प्रारंनिक

1. संनक्षप्तिाम,नवस्तारऔरप्रारंि◌।

2. पररिाषाएं।

अध्र्◌ा-2

नि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकाअनिकार

3. नि:शुल्कऔरअनिवायर्बालनशक्षाकाअनिकार।

4. ऐसेबालकों,निन्हेंप्रवेशिहींदिर्◌ागर्◌ाहैर्◌ानिन्होंि◌ेप्रारंनिकनशक्षापूरीि◌हींकीहै,केनलएनवशेषउपबंि◌।5. अन्नवद्यालन्मेंस्थाि◌ांतरणकाअनिकार।

अध्र्◌ा-3

समुनितसरकार,स्थाि◌ीन्प्रानिकारीऔरमाता-नपताकेकतयव्र्

6. समुनितसरकारऔरस्थाि◌ीन्प्रानिकारीकानवद्यालन्स्थानपतकरिेकाकतयव्न।

7. नवत्तीन्औरअन्उत्तरिानर्त्वोंमेंनहस्साबांटि।

8. समुनितसरकारकेकतयव्न।

9. स्थाि◌ीन्प्रानिकारीकेकतयव्न।

10. माता-नपताऔरसंरक्षककाकतयव्न।

11. समुनितसरकारद्वारानवद्यालन्पूवयनशक्षाकेनलएव्र्वस्थाकरिा।

अध्र्◌ा-4

नवद्यालर्◌ोंऔरनशक्षकोंकेउत्तरिानर्त्व

12. नि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकेनलएनवद्यालन्केउत्तरिानर्त्वकीसीमा।

13. प्रवेशकेनलएदकसीप्रनतव्र्नतफीसऔरिअुवीक्षणप्रदक्रर्◌ाकाि◌होि◌ा।

14. प्रवेशकेनलएआर्ुकासबूत।

15. प्रवेशसेइंकारिदकर्◌ाि◌ाि◌ा।

16. परीक्षाऔरकनतपन्मामलोंमेंरोकाि◌ाि◌ा।

17. बालककेशारीररकिंडऔरमाि◌नसकउत्पीड़िकाप्रनतषेि◌।

18. मान्र्ताप्रमाणत्रअनिप्राप्तदकएनबिादकसीनवद्यालन्कास्थानपतिदकर्◌ाि◌ाि◌ा।

19. नवद्यालन्केमाि◌औरमाि◌क।

20. अिुसूि◌ीकासंशोि◌िकरिेकीशनत।

21. नवद्यालन्प्रबंि◌सनमनत।

ii

ि◌ाराएं

22. नवद्यालन्नवकासर्◌ोि◌ि◌ा।

23. नशक्षकोंकीनिर्ुनतकेनलएअहयताएंऔरसेवाकेनिबंि◌िऔरशतें।

24. नशक्षकोंकेकतयव्नऔरनशकार्तोंकोि◌ूरकरिा।

25. छात्र-नशक्षकिअुपात।

26. नशक्षकोंकीररनतर्◌ोंकाि◌राि◌ाि◌ा।

27. गैर-शैनक्षकप्रर्◌ोि◌ि◌ोंकेनलएनशक्षकोंकोअनिर्◌ोनितदकएिाि◌ेकाप्रनतषेि◌।

28. नशक्षकद्वाराप्राइवेटट्यूशिकाप्रनतषेि◌।

अध्र्◌ा-5

प्रारंनिकनशक्षाकापाठ्यक्रमऔरउसकापूरादकर्◌ाि◌ाि◌ा29.

पाठ्यक्रमऔरमूल्र्ांकिप्रदक्रर्ा।
30. परीक्षाऔरसमापिप्रमाणपत्र।

अध्र्ार्6

बालकोंकेअनिकारकासंरक्षण

31. बालककेनशक्षाकेअनिकारकोमानिटरकरिा।
32. नशकार्तोंकोिूरकरिा।
33. राष्टरीर्सलाहकारपररष्िकागठि।
34. राज्सलाहकारपररष्िकागठि।

अध्र्ार्7

प्रकीणय

35. निेशिारीकरिेकीशनत।
36. अनिर्ोिकेनलएपूवयमंिूरी।
37. सिावपूवयककीगईकारयवाईकेनलएसंरक्षण।
38. समुनितसरकारकीनिमिर्बािेकीशनत।
39. करठिाइर्ोंकोिूरकरिेकीकेंद्रीर्सरकारकीशनत।
अिुसूिी।

नि:शुल्कऔरअनिवायर्बालनशक्षाकाअनिकार अनिनिर्म,2009

(2009 काअनिनिमर्संखर्ांक35)

[26 अगस्त,2009]

छहवषयसेौिहवषयतककीआर्ुकेसीबालकोंकेन
लए
नि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकाउपबंि
करिेकेनलए
अनिनिर्म

िारतगणराज्केसाठवेंवषयमेंसंसि्द्वारानिमिनलनितरूपमेंहर्अनिनिर्नमतहो :—

अध्र्ार्1

प्रारंनिक

1. संनक्षप्तिाम,नवस्तार,लागूहोिाऔरप्रारंि—
(1)इसअनिनिमर्कासंनक्षप्तिामनि:शुल्कऔरअनिवायर्बालनशक्षाकाअनिकारअनिनिर्म,2009है।

(2)इसकानवस्तार[1]*** सम्पूणयिारतपरहोगा।

(3)हर्उसतारीिकोप्रवृत्तहोगा,िोकेन्द्रीर्सरकार,रािपत्रमेंअनिसूििाद्वारा,नितर्करे।

[2][(4) संनविाि के अिुच्छेि 29 और अिुच्छेि 30 के उपबंिोंं के अिीि रहते हुए इस अनिनिर्म के उपबंि बालकों कोनि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकेअनिकारिप्रािदकएिािेकेसंबंिमेंलागूहोंगे।

(5) इस अनिनिर्म की कोई बात मिरसों, वैदिक पाठशालाओं और मुखर्त: िार्मयक नशक्षा प्रिाि करिे वाली शैक्षनणकसंस्थाओंकोलागूिहींहोगी।]

2. पररिाषाएं—इसअनिनिमर्में,िबतकदकसंिियसेअन्थाअपेनक्षतिहो,—

(क)"समुनितसरकार"से,—

(i)केन्द्रीर्सरकारर्ाऐसेसंघराज्क्षेत्रके,निसमेंकोईनविाि-मंडलिहींहै,प्रशासकद्वारास्थानपत,उसकेस्वानमत्वािीिर्ानिर्ंत्रणािीिदकसीनवद्यालर्केसंबंिमें,केन्द्रीर्सरकार;

(ii)उपिंड(i)मेंनवनिर्ि्यष्टनवद्याल‑सेनिनि्ि,—

(क)दकसीराज्‍केराज्‍क्षेत्रकेि्ीतरस्थानपतदकसीनवद्याल‍केसंबंि्में,राज्‍सरकार;

(ि)नविाि-मंडलवालेदकसीसंघराज्‍क्षेत्रकेि्ीतरस्थानपतनवद्याल‍केसंबंि्मेंउससंघराज्‍क्षेत्रकीसरकार,

अनिप्रेतहै;

(ि)“प्रनतव्‍नतफीस”सेनवद्याल‍द्वाराअनिसूनितफीससेनिन्‍दकसीप्रकारकासंि्ाि्र्ाअनिि्ा‍अथवासंि्ा‍अनिप्रेतहै;

(ग)“बालक”सेछहवषयसेि्ौिहवषयतककीआर्ुकाकोईबालकर्ाबानलकाअनिप्रेतहै;

(घ)“अलानितसमूहकाबालक”से3[कोईिन:शतबालकर्ा]अिुसूनितानत,अिुसूनितिि्ानत,सामानिकरूपसेऔरशैनक्षकरूपसेनपछड़ेवगयर्ासामानिक,सांस्कृनतक,आर्थयक,ि्ौगोनलक,ि्ाषाई,ललंगर्ाऐसीअन्‍बातकेकारण, ि्ो समुनित सरकार द्वारा, अनिसूि्ि्ा द्वारा, नवनिर्ि्यष्टट की ि्ाए, अलानित ऐसे अन्‍ समूह का कोई बालकअनिप्रेतहै;

(ङ)“ि्ुबयलवगयकाबालक”सेऐसेमाता-नपतार्ासंरक्षककाबालकअनिप्रेतहै,निसकीवार्षयकआ‍समुनितसरकारद्वारा,अनिसूि्ि्ाद्वारा,नवनिर्ि्यष्टन्‍ि्ूि्तमसीमासेकमहै;

1 2019केअनिनिमर्सं० 34कीि्ारा 95औरपांि्वीअिुसूि्ीद्वारा (31-10-2019से) “ि्म्‍मू-कश्मीरराज्‍केनसवार्” शर्बि्ों्कालोपदकर्ागर्ा।
2 2012 केअनिनिमर्सं० 30कीि्ारा 2द्वाराअंत:स्थानपत।
3 2012 केअनिनिमर्सं० 30कीि्ारा 3द्वाराअंत:स्थानपत।

1[(ङङ) “नि:शतबालक”केअंतगयतिनमि्नलनितहैं,—

(अ)नि:शतव्‍नत(समाि् अवसर,अनिकारसंरक्षणऔरपूणयािगीि्ारी)अनिनिमर्,1995 (1996 का 1)कीि्ारा 2केिि्ंड(झ)मेंर्थापररिानषत“नि:शत”कोईबालक;

(आ)ऐसाकोईबालक,ि्ोराष्टरी‍स्वपरार्णता,प्रमनस्तष्टकघात,माि्नसकमंि्ताऔर बहु-नि:शतताग्रस्त व्‍नत कल्‍्ाण न्‍्ास अनिनिमर्, 1999 (1999 का 44) की ि्ारा 2 के ि्ंड (ञ) में र्थापररिानषतिन:शतकोईव्‍नतहो ;

(इ)राष्टरी‍स्वपरार्णता,प्रमनस्तष्टकघात,माि्नसकमंि्ताऔरबहु-नि:शतताग्रस्तव्‍नतकल्‍्ाण न्‍्ासअनिनिमर्,1999 (1999 का 44)कीि्ारा 2केि्ंड(ण)मेंर्थापररिानषत“गंि्ीरबहु-नि:शततासे ग्रस्त”कोईबालक];

(ि)“प्रारंनिकनशक्षा”सेपहलीकक्षासेआठवींकक्षातककीनशक्षाअनिप्रेतहै;

(छ)दकसीबालककेसंबंि्में “संरक्षक”सेऐसाव्‍नतअनिप्रेतहै,निसकीि्ेि्रेिऔरअनिरक्षामेंवहबालकहैऔरइसकेअंतगयतकोईप्राकृनतकसंरक्षकर्ादकसीन्‍्ार्ाल‍र्ादकसीकाि्ूि्द्वारानिर्ु तर्ाघोनषतसंरक्षकिीहै;

(ि)“स्थाि्ी‍प्रानिकारी”सेकोईिगरनिगमर्ाि्गरपररषि्र्ानिलापररषि्र्ाि्गरपंि्ातर्ापंि्ार्त,ि्ाहेनिसिामसेज्ञातहो,अनिप्रेतहैऔरइसकेअंतगयतनवद्याल‍परप्रशासनिकिनरं्त्रणिरि्ेवालादकसीि्गर,शहरर्ाग्राममेंदकसीस्थाि्ी‍प्रानिकारीकेरूपमेंकायर्करिेकेनलएतत्सम‍प्रवृत्तदकसीनवनिद्वारार्ाउसकेअिीि्सशतऐसाअन्‍स्थाि्ी‍प्रानिकारीर्ानिकार्िहै;

(झ)“राष्टरी‍बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोग”सेबालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगअनिनिमर्,2005 (2006 का 4) कीि्ारा 3केअिीि्गरठतराष्टरी‍बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगअनिप्रेतहै;

(ञ)“अनिसूि्ि्ा”सेराि्पत्रमेंप्रकानशतअनिसूि्ि्ाअनिप्रेतहै;

(ट)“माता-नपता”सेदकसीबालककाप्राकृनतकर्ासौतेलार्ाि्त्तकनपतार्ामाताअनिप्रेतहै;

(ठ)“नवनहत”से,इसअनिनिमर्केअिीि्बिाएगएिनर्मोंद्वारानवनहतअनिप्रेतहै;

(ड)“अिुसूि्ी”सेइसअनिनिमर्सेउपाबद्धअिुसूि्ीअनिप्रेतहै;

(ढ) “नवद्यालर्” से प्रारंनिक नशक्षा िि्ेि् वाला कोई मान्‍्ताप्राप्त नवद्याल‍ अनिप्रेत है और इसके अन्‍तगयतिनमि्नलनितिहैं :—

(i)समुनितसरकारर्ादकसीस्थाि्ी‍प्रानिकारीद्वारास्थानपत,उसकेस्वानमत्वाि्ीि्र्ानिरं्त्रणाि्ीि्कोईनवद्यालर्;

(ii)समुनितसरकारर्ास्थाि्ी‍प्रानिकारीसेअपिेसंपूणयव्‍्र्ाउसकेि्ागकीपूर्तयकरिेकेनलए सहातार्र्ाअिुि्ािप्राप्तकरिेवालाकोईसहातार्प्राप्तनवद्यालर्;

(iii)नवनिर्ि्यष्टटप्रवगयकाकोईनवद्यालर्;और

(iv) समुनितसरकारर्ास्थाि्ीन्प्रानिकारीसेअपिेसंपूणयव्र्र्ाउसकेि्ागकीपूर्तयकरिेकेनलए दकसीप्रकारकीसहार्तार्ाअिुिािप्राप्तिकरिेवालाकोईगैर-सहार्ताप्राप्तनवद्यालर्;

(ण)"अिुवीक्षणप्रदक्रर्ा"सेदकसीअनिनशि्तपद्धनतसेनिर्ि्ूसरोंपरअनिमाितामेंदकसीबालककेप्रवेशकेनलएर्िकीपद्धनतअनिप्रेतहै;

(त)दकसीनवद्याल्केसंबंि्में "नवनिर्ि्यष्टटप्रवगय"से,केन्द्रीन्नवद्यालर्,िवोिन्नवद्यालर्,सैनिकनवद्याल्केरूपमेंज्ञातकोईनवद्याल्र्ादकसीसुनिर्ि्लक्षणवालाऐसाअन्न्वद्याल्अनिप्रेतहैनिसेसमुनितसरकारद्वारा,अनिसूिि्ाद्वारा,नवनिर्ि्यष्टटदकर्ाि्ाए;

(थ)"राज्बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोग"सेबालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगअनिनिर्म, 2005 (2006 का 4)कीि्ारा 3केअिीि्गरठतराज्बालकअनिकारसरंक्षणआर्ोगअनिप्रेतहै।

[1] 2012 केअनिनिमर्सं० 30कीि्ारा 3द्वाराअंत:स्थानपत।

अध्र्ार्2

नि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकाअनिकार

3. नि:शुल्कऔरअनिवायर्बालनशक्षाकाअनिकार— [1][(1)छहवषयसेि्ौिहवषयतककीआर्ुकेप्रत्र्ेकबालकको,निसमेंि्ारा 2केि्ंड(घ)र्ाि्ंड(ङ)मेंनिर्ि्यष्टटकोईबालकिीसनम्मनलतहै,उसकीप्रारंनिकनशक्षापूरीहोिेतकदकसीआस-पासकेनवद्याल्मेंनि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकाअनिकारहोगा।]

(2) उपिारा (1)केप्रर्ोिि्केनलए,कोईबालकदकसीप्रकारकीफीसर्ाऐसेप्रिारर्ाव्र्कासंि्ान्करिेकेनलएिर्ीिहींहोगा,िोप्रारंनिकनशक्षालेिेऔरपूरीकरिेसेउसेनिवाररतकरे।

[2][* * * *]

[3][(3) □□ िारा 2केि्ंड(डङ)केउपिंड(अ)मेंनिर्ि्यष्टटदकसीनि:शतबालकको,नि:शतव्नत(समािअवसर,अनिकारसरंक्षणऔरपूणयिागीिारी)अनिनिर्म,1995 (1996 का 1)केउपबंि्ोंपरप्रनतकूलिप्राविडालेनबिा,औरिारा 2केि्ंड(डङ)केउपिंड(आ)औरउपिंड(इ)मेंनिर्ि्यष्टटदकसीबालककोनि:शुल्कऔरअनिवायर्प्रारंनिकनशक्षाग्रहणकरिेकेवैसेहीअनिकारप्राप्तहोंगेिोनि:शतव्नत(समािअवसर,अनिकारसंरक्षणऔरपूणयिागीिारी)अनिनिर्म,1995 केअध्र्ार्5केउपबंि्ोंकेअिीिनि:शतबालकोंकोप्राप्तहैं :

परंतुराष्टरीन्स्वपरार्णता,प्रमनस्तष्टकघात,मािनसकमंिताऔरबहु-नि:शतताग्रस्तव्नतकल्र्ाणन्र्ासअनिनिर्म,1999 (1999 का 44)कीि्ारा 2केि्ंड(ि)मेंनिर्ि्यष्टट"बहु-नि:शतता"सेग्रस्तदकसीबालककोऔरिंड(ण)मेंनिर्ि्यष्टट"गंिीरबहु-नि:शतता"सेग्रस्तदकसीबालककोि्ीघर-आिाररतनशक्षाकानवकल्पअपिािेकाअनिकारहोसकेगा।]

4. ऐसेबालकों,निन्हेंप्रवेशिहींदिर्ागर्ाहैर्ानिन्होंिेप्रारंनिकनशक्षापूरीिहींकीहै,केनलएनवशेषउपबंि— िहां,छहवषयसेअनिककीआर्ुकेदकसीबालककोदकसीनवद्याल्मेंप्रवेशिहींदिर्ागर्ाहैर्ाप्रवेशतोदिर्ागर्ाहैककंतुउसिेअपिीप्रारंनिकनशक्षापूरीिहींकीहै,तोउसेउसकीआर्ुकेअिुसारसमुनितकक्षामेंप्रवेशिदर्ाि्ाएगा :

परंतुिहांदकसीबालकको,उसकीआर्ुकेअिुसारसमुनितकक्षामेंसीिेप्रवेशिदर्ािाताहै,वहांउसेअन्बालकोंकेसमाि होिे के नलए, ऐसी रीनत में और ऐसी समर्-सीमा के ि्ीतर, िो नवनहत की िाए, नवशेष प्रनशक्षण प्राप्त करिे का अनिकारहोगा :

परंतुहऔरदकप्रारंनिकनशक्षाकेनलएइसप्रकारप्रवेशप्राप्तकोईबालक,िौिहवषयकीआर्ुकेपशि्ातिीप्रारंनिकनशक्षापूरीकरिेतकनि:शुल्कनशक्षाकाहकिारहोगा।

5. अन्नवद्याल्मेंस्थाि्ांतरणकाअनिकार— (1)िहांदकसीनवद्याल्में,प्रारंनिकनशक्षापूरीकरिेकीव्र्वस्थािहींहैवहांदकसीबालकको,िारा 2केि्ंड(ढ) केउपिंड(iii)औरउपिंड(iv) मेंनवनिर्ि्यष्टटनवद्याल्कोछोड़कर,अपिीप्रारंनिकनशक्षापूरीकरिेकेनलएदकसीअन्नवद्याल्में,स्थाि्ांतरणकरािेकाअनिकारहोगा।

(2)िहांदकसीबालकसेदकसीराज्केि्ीतरर्ाबाहरदकसीिीकारणसेएकनवद्याल्सेिूसरेनवद्याल्मेंिािेकीअपेक्षाकीिातीहै,वहांऐसेबालककोि्ारा 2केि्ंड(ढ) केउपिंड(iii)औरउपिंड(iv)

मेंनवनिर्ियष्टटनवद्याल-कोछोड़कर,अपिप्रारंनिकनशक्षापूरीकरिकेनलएदकसीअन्नवद्याल-में,स्थाािातंरणकराि ेकाअनिकारहोगा।

(3)ऐसेअन्नवद्याल-मेंप्रवेशलेिेकेनलएउसनवद्याल-काप्रिाअध्ापकर्ाििरसाि क,िहांऐसेबालकको अंनतमबारप्रवेशिदर्ागर्ाथा,तुरंतस्थााितंरणप्रमाणपत्रिारीकरेगा :

परंतुस्थााितंरणप्रमाणपत्रप्रस्तुतकरिमेंनवलंब,ऐसेअन्नवद्याल-मेंप्रवेशकेनलएनवलंबकरिर्ाप्रवेशसेइंकारकरिकेनलएआिारिहींहोगा :

परंतुहऔरदकस्थााितंरणप्रमाणपत्रिारीकरिमेंनवलंबकरिवालेनवद्याल-काप्रिाअध्ापकर्ाििरसाि क,उसकोलागूसेवानिर्मोंकेअिीिअिुशासनिककारयवाईकेनलएिर्ीहोगा/होगी।

अध्ार्3

समुनितसरकार,स्थािी-प्रानिकारीऔरमाता-नपताकेकतयव्

6. समुनित सरकार और स्थािी- प्रानिकारी का नवद्याल- स्थानपत करि का कतयव्—इस अनिनिर्म के उपबंिों कोकार्ायनन्वतकरिकेनलए,समुनितसरकारऔरस्थािी-प्रानिकारी,इसअनिनिमर्केप्रारंिसेतीिवषयकीअवनिकेिीतरऐसेक्षेत्रर्ाआसपासकीऐसीसीमाओंकेिीतर,िनेवनहतकीिाएं,िहांनवद्याल-इसप्रकारस्थानपतिहींहै,एकनवद्याल-स्थानपतकरेंगे।

[1] 2012 केअनिनिमर्सं० 30कीिारा 4द्वाराप्रनतस्थानपत।

[2] 2012 केअनिनिमर्सं० 30कीिारा 4द्वारालोपदकर्ागर्ा।

[3] 2012 केअनिनिमर्सं० 30कीिारा 4द्वाराअंत:स्थानपत।

7. नवत्ती-औरअन्उत्तरिानर्वोंमेंनहस्साबांटि—(1)केन्द्री-सरकारऔरराज्-सरकारकाइसअनिनिमर्केउपबंिोंकोकार्ायनन्वतकरिकेनलएनिनिर्ांउपलबिकरािेकेनलएसमवतीउत्तरिानत्वर्होगा।

(2)केन्द्री-सरकारइसअनिनिमर्केउपबंिोंकेकार्ायन्वर्िकेनलएपूंिीऔरआवतीव्-केप्रा कलितैर्ारकरेगी।

(3)केन्द्री-सरकार,राज्-सरकारोंकोराि्स्वोंकेसहार्ताअिुिािकेरूपमेंउपिारा (2)मेंनिर्ियष्टटव्-कीऐसाप्रनतशतउपलबिकराएगी,िैसावह,समर्-समर्परराज्-सरकारोंकेपरामशयसेअविाररतकरे।

(4)केन्द्री-सरकार,राष्टरपनतकोअिुच्छेि 280 केिंड(3)केउपिंड(घ)केअिीिराज्-सरकारकोअनतररतसंसािििउपलबिकराएिािेकीआवश्र्कताकीपरीक्षाकरिकेनलएनवत्तआर्ोगकोनििेशििेकाअिुरोिकरसकेगी,तादकउतराज्-सरकारइसअनिनिमर्केउपबंिोंकोकार्ायनन्वतकरिकेनलएनिनिर्ोंकाअपिाअंशिप्रािकरसके।

(5)उपिारा (4)मेंदकसीबातकेहोतेहुएिी,राज्-सरकारउपिारा (3)केअिीिकेन्द्री-सरकारद्वाराराज्-सरकारकोप्रािकीगईरानशर्ोंऔरउसकेअन्संसाििोंकोध्ािमेंरितेहुएइसअनिनिमर्केउपबंिोंकेकार्ायन्वर्िकेनलएनिनिर्ांउपलबिकरािेहेतुउत्तरिार्ीहोगी।

(6)केन्द्री-सरकार,—

(क) िारा 29 के अिीि नवनिर्ियष्टट शैक्षनणक प्रानिकारी की सहार्ता से राष्टरी- कार्यक्रम का ढांिा नवकनसत करेगी ;

(ि)नशक्षकोंकेप्रनशक्षणकेनलएमािकोंकोनवकनसतऔरलागूकरेगी ;

(ग)िवीकरण,अिुसंिाि,र्ोििाऔरक्षमतानिमायणकेसंवियिकेनलएराज्-सरकारकोतकिीकीसहार्ताऔरसंसाििउपलबिकराएगी।

8. समुनितसरकारकेकतयव्—समुनितसरकार,—

(क)प्रत्ेकबालककोनि:शुल्कऔरअनिवायर्प्राथनमकनशक्षाउपलबिकराएगी :

परंतुिहांदकसीबालकको,र्ानस्थनत,उसकेमाता-नपतार्ासंरक्षकद्वारा,समुनितसरकारर्ादकसीस्थािी-प्रानिकारीद्वारास्थानपत,उसकेस्वानमत्वािीि,निर्ंत्रणािीिर्ाप्रत्क्षत:र्ाअप्रत्क्षत:उपलबिकराईगईनिनिर्ोंद्वारा सारवाि्रूपसेनवत्तपोनषतनवद्याल-सेनिन्नदकसीनवद्याल-मेंप्रवेशिदर्ाि ाताहै,वहांऐसाबालकर्ा,र्ानस्थनत,उसकेमाता-नपतार्ासंरक्षकऐसेअन्नवद्याल-मेंबालककीप्राथनमकनशक्षापरउपगतव्-कीप्रनतपूर्तयकेनलएकोईिावाकरिकाहकिारिहींहोगा।

स्पष्टीकरण—“अनिवायर्नशक्षा”पिसेसमुनितसरकारकी,—

(i) छह वषय से ि◌ौि◌ह वषय तक की आर्◌ु के प्रत्◌ेक बालक को नि:शुल्क प्राथनमक नशक्षा उपलबि◌ करािि◌;और

(ii) छह वषय से ि◌ौि◌ह वषय तक की आर्◌ु के प्रत्◌ेक बालक द्वारा प्राथनमक नशक्षा में अनिवार्य प्रवेश, उपनस्थनतऔरउसकोपूराकरिेकोसुनिनशि◌तकरिेकी,

बाध्र्ताअनिप्रेतहै ;

(ि◌)ि◌ारा 6मेंर्थानवनिर्◌ियष्टटआसपासमेंनवद्याल-कीउपलबि◌ताकोसुनिनशि◌तकरेगी ;

(ग)हर्सुनिनशि◌तकरेगीदकिुबयलवगयकेबालकऔरअलानितसमूहकेबालककेप्रनतपक्षपातिदकर्◌ाि◌ाए तथादकसीआिारपरप्राथनमकनशक्षालेि◌ेऔरपूराकरिेसेवेनिवाररतिहों;

(घ) अवसंरिि◌ा, निसके अंतगयत नवद्याल-ि◌वि, नशक्षण कमयिाररवृंि◌ और नशक्षा के उपस्कर ि◌ी हैं, उपलबि◌ कराएगी ;

(ङ)ि◌ारा 4मेंनवनिर्◌ियष्टटनवशेषप्रनशक्षणसुनविाउपलबि◌कराएगी ;

(ि◌) प्रत्◌ेक बालक द्वारा प्राथनमक नशक्षा में प्रवेश, उपनस्थनत और उसे पूरा करिे को सुनिनशि◌त और मािि◌ीटर करेगी ;

(छ)अिुसूि◌ीमेंनवनिर्◌ियष्टटमाि◌औरमाि◌कोंकेअिुरूपअच्छी वानलटीकीप्राथनमकनशक्षासुनिनशि◌तकरेगी ;

(ि◌)प्राथनमकनशक्षाकेनलएपाठ्याि◌रऔरपाठ्यक्रमोंकासम-सेनवनहतदकर्◌ाि◌ाि◌ासुनिनशि◌तकरेगी ;और

(झ)नशक्षकोंकेनलएप्रनशक्षणसुनविाउपलबि◌कराएगी।

9. स्थाि◌ी-प्रानिकारीकेकतयव्—प्रत्◌ेकस्थाि◌ी-प्रानिकारी,—

(क)प्रत्◌ेकबालककोनि:शुल्कऔरअनिवायर्प्राथनमकनशक्षाउपलबि◌कराएगा :

परन्तुि◌हांदकसीबालकको,र्थानस्थनत,उसकेमाता-नपतार्◌ासंरक्षकद्वारा,समुनितसरकारर्◌ादकसीस्थाि◌ी-प्रानिकारीद्वारास्थानपत,उसकेस्वानमत्वाि◌ीि◌,निर्ंत्रणाि◌ीि◌र्◌ाप्रत्क्षत:र्◌ाअप्रत्क्षत:उपलबि◌कराईगईनिनिर्◌ोंद्वारा सारवाि◌्रूपसेनवत्तपोनषतनवद्याल-सेनिनि◌दकसीनवद्याल-मेंप्रवेशिदर्◌ाि◌ाताहै,वहांऐसाबालकर्◌ा,र्थानस्थनत, उसकेमाता-नपतार्◌ासंरक्षकऐसेअन्-नवद्याल-मेंबालककीप्राथनमकनशक्षापरउपगतव्-कीप्रनतपूर्तयकेनलएकोई ि◌ावाकरिेकाहकिारिहींहोगा ;

(ि◌)ि◌ारा 6मेंर्थानवनिर्◌ियष्टटआपसपासमेंनवघाल-कीउपलबि◌ताकोसुनिनशि◌तकरेगा ;

(ग)हर्सुनिनशि◌तकरेगादकिुबयलवगयकेबालकऔरअलानितसमूहकेबालककेप्रनतपक्षपातिदकर्◌ाि◌ाए तथादकसीआिारपरप्राथनमकनशक्षालेि◌ेऔरपूराकरिेसेवेनिवाररतिहों ;

(घ)अपीअनिकाररताकेि◌ीतरनिवासकरिेवालेि◌ौि◌हवषयतककीआर्◌ुकेबालकों केऐसीरीनतमें,ि◌ो नवनहतकीि◌ाए,अनिलेि◌रिेगा ;

(ङ)अपीअनिकाररताकेि◌ीतरनिवासकरिेवालेप्रत्◌ेकबालकद्वाराप्राथनमकनशक्षामेंप्रवेश,उपनस्थनतऔर उसेपूराकरिेकोसुनिनशि◌तऔरमाि◌ीटरकरेगा ;

(ि◌) अवसरंि◌ि◌ा, निसके अंतगयत नवद्याल-ि◌वि, नशक्षण कमयिाररवृंि◌ और नशक्षा सामग्री ि◌ी है, उपलबि◌ कराएगा ;

(छ)ि◌ारा 4मेंनवनिर्◌ियष्टटनवशेषप्रनशक्षणसुनविाउपलबि◌कराएगा ;

(ि◌)अिुसूि◌ीमेंनवनिर्◌ियष्टटमाि◌औरमाि◌कोंकेअिुरूपअच्छी वानलटीकीप्राथनमकनशक्षासुनिनशि◌तकरेगा ;

(झ)प्राथनमकनशक्षाकेनलएपाठ्याि◌रऔरपाठ्यक्रमोंकासम-सेनवनहतदकर्◌ाि◌ाि◌ासुनिनशि◌तकरेगा ;

(ञ)नशक्षकोंकेनलएप्रनशक्षणसुनविाउपलबि◌कराएगा ;

(ट)प्रवासीकुटुंबोंकेबालकोंकेप्रवेशकोसुनिनशि◌तकरेगा ;

(ठ)अपीअनिकाररताकेि◌ीतरनवद्यालर्◌ोंकेकार्यकरणकोमाि◌ीटरकरेगा ;और

(ड)शैक्षनणककैलेंडरकानवनिशि◌-करेगा।

10. माता-नपताऔरसंरक्षककाकतयव्—प्रत्◌ेकमाता-नपतार्◌ासंरक्षककाहर्कतय-होगादकवहआसपासकेनवद्याल-मेंकोईप्रारंनिकनशक्षाकेनलएअपि,र्थानस्थनत,बालकर्◌ाप्रनतपा ल्-काप्रवेशकराएर्◌ाप्रवेशिदलाए।

11. समुनितसरकारद्वारानवद्याल-पूवयनशक्षाकेनलएव्वस्थाकरिा—प्राथनमकनशक्षाकेनलएतीि◌वषयसेअनिकआर्◌ुकेबालकोंकोतैर्◌ारकरिेतथासीबालकोंकेनलएिबतकवेछहवषयकीआर्◌ुपूरीकर तेहैं,आरंनिकबाल्कालिैि◌रेि◌औरनशक्षाकीव्वस्थाकरिेकीि◌ृनष्टटसेसमुनितसरकार,ऐसेबालकोंकेनलएनि:शुल्कनवद्याल-पूव यनशक्षाउपलबि◌करािि◌केनलएआवश्-कव्वस्थाकरसकेगी।

अध्र्◌ा-4

नवद्यालर्ोंऔरनशक्षकोंकेउत्तरिानर्त्व

12. नि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकेनलएनवद्याल्केउत्तरिानर्त्वर्कीसीमा—(1)इसअनिनिमर्केप्रर्ोिोंकेनलए,—

(क)िारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(i)मेंनवनिर्ियष्टटकोईनवद्यालर्,उसमेंप्रनवष्टिटसीबालकोंकोनि:शुल्कऔर अनिवायर्प्राथनमकनशक्षाप्रािकरेगा ;

(ि)िारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(ii)मेंनवनिर्ियष्टटकोईनवद्यालर्,उसमेंप्रवेशकराएगएबालकोंकेऐसेअुपात को,िोइसप्रकारप्राप्तउसकीवार्षयकआवतीसहातार्ार्अुिािका,उसकेवार्षयकआवतीव्र्से,न्र्ूितमपर्चीस प्रनतशतकेअीिरहतेहुएनि:शुल्कऔरअनिवायर्प्राथनमकनशक्षाउपलबिकराएगा ;

(ग)िारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(iii)औरउपिंड(iv) मेंनवनिर्ियष्टटकोईनवद्याल्पहलीकक्षामें,आसपासमें
िुबयलवगयऔरअलानितसमूहकेबालकोंको,उसकक्षाकेबालकोंकीकुलसंखर्ाकेकमसेकमपर्चीसप्रनतशतकीसीमा तकप्रवेशिगाऔरिन:शुल्कऔरअनिवायर्प्राथनमकनशक्षा,उसकेपूराहोिेतक,प्रािकरेगा :

परंतुहऔरदकिहांिारा 2केिंड(ढ)मेंनवनिर्ियष्टटकोईनवद्यालर्,नवद्याल्पूवयनशक्षािेताहैवहांिंड(क)सेिंड(ग)केउपबंिऐसीनवद्याल्पूवयनशक्षामेंप्रवेशकोलागूहोंगे।

(2)उपिारा (1)केिंड(ग)मेंर्थानवनिर्ियष्टटनि:शुल्कऔरअनिवायर्प्राथनमकनशक्षाउपलबिकरािेवालेिारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(iv)मेंनवनिर्ियष्टटनवद्याल्की,उसकेद्वाराइसप्रकारउपगतव्र्की,राज्द्वाराउपगतप्रनतबालकव्र्कीसीमातकर्ाबालकसेप्रिररतवास्तनवकरकमतक,इिमेंसेिोिीकमहो,ऐसीरीनतमें,िोनवनहतकीिाए,प्रनतपूर्तयकीिाएगी :

परंतुऐसीप्रनतपूर्तयिारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(i)मेंनवनिर्ियष्टटदकसीनवद्याल्द्वाराउपगतप्रनतबालकव्र्सेअनिकिहींहोगी :

परंतुहऔरदकिहांऐसानवद्याल्उसकेद्वाराकोईूिनम,िवि,उपस्करर्ाअन्सुनविाएं,र्ातोनि:शुल्कर्ाररर्ार्तीिरपर,प्राप्तकरिेकेकारणपहलेसेहीनवनिर्ियष्टटसंखर्ामेंबालकोंकोनि:शुल्कनशक्षाउपलबिकरािेकीबाध्र्ताकेअीिहै,वहांऐसानवद्याल्ऐसीबाध्र्ताकीसीमातकप्रनतपूर्तयकेनलएहकिारिहींहोगा।

(3) प्रत्र्ेक नवद्याल- ऐसी िािकारी िो, र्थानस्थनत, समुनित सरकार र्ा स्थािी- प्रानिकारी द्वारा अपेनक्षत हो, उपलबि कराएगा।

13. प्रवेशकेनलएदकसीप्रनतव्र्नतफीसऔरिअुवीक्षणप्रदक्रर्ाकािहोिा—
(1)कोईनवद्याल्र्ाव्र्नत,दकसीबालककोप्रवेशितेसम्कोईप्रनतव्र्नतफीससंगृहीतिहींकरेगाऔरबालकर्ाउसकेमाता-नपताअथवासंरक्षककोदकसीअुवीक्षणप्रदक्रर्ाकेअीिहींरिगा।

(2)कोईनवद्याल्र्ाव्र्नत,र्दिउपिारा (1)केउपबंिोंकेउल्लंघिमें,—

(क)प्रनतव्र्नतफीसप्राप्तकरताहैतोवहिुमायिसे,िोप्रिररतप्रनतव्र्नतफीसकेिसगुिातककाहोसकेगा, िंडीन्होगा ;

(ि)दकसीबालककोअुवीक्षणप्रदक्रर्ाकेअीिरिताहैतोवहिुमायिसे,िोपहलेउल्लंघिकेनलएपर्चीसिहार रुपएतकऔरप्रत्र्ेकपश्िात्वतीउल्लंघिकेनलएपािसिहाररुपएतककाहोसकेगा,िंडीन्होगा।

14. प्रवेशकेनलएआर्ुकासबूत—
(1)प्राथनमकनशक्षामेंप्रवेशकेप्रर्ोिोंकेनलएदकसीबालककीआर्ु,िन्म,मृत्र्ुऔरनववाहरनिस्रीकरणअनिनिर्म,1886 (1886 का 6)केउपबंिोंकेअुसाररारीदकएगएिन्मप्रमाणपत्रकेआिारपरर्ाऐसेअन्िस्तावेिकेआिारपर,िोनवनहतदकर्ािाए,अविाररतकीिाएगी।

(2)दकसीबालकको,आर्ुकासबूतिहोिेकेकारणदकसीनवद्याल्मेंप्रवेशसेइंकारिहींदकर्ािाएगा।

15. प्रवेशसेइंकारिदकर्ािािा—
दकसीबालकको,शैक्षनणकवषयकेप्रारंिपरर्ाऐसीनवस्तारररतअवनिकेिीतर,िोनवनहतकीिाए,दकसीनवद्याल्मेंप्रवेशिदर्ािाएगा :

परंतुदकसीबालककोप्रवेशसेइंकारिहींदकर्ािाएगार्दिऐसाप्रवेशनवस्तारररतअवनिकेपश्िात्ईनप्सतहै :

परंतुहऔरदकनवस्तारररतअवनिकेपश्िात्प्रवेशप्राप्तकोईबालकऐसीरीनतमें,िोसमुनितसरकारद्वारानवनहतकीिाए,अपिाअध्र्िपूराकरेगा।

1[**16.** परीक्षा और कनतप- मामलोंमें रोका िािा—(1) प्रत्र्ेक शैक्षनणक वषय के अंतमें, पांिवीं कक्षा में और आठवीं कक्षा मेंनिर्नमतपरीक्षाहोगा।

(2) र्दिकोईबालक,उपिारा (1)मेंनिर्ियष्टटपरीक्षामेंअसफलहोिाताहै,तोउसेअनतरररतनशक्षणिदर्ािाएगाऔरपररणामघोनषतदकएिािेकीतारीिसेिोमासकीअवनिकेिीतरपुि:परीक्षािेिेकेअवसरिदर्ािाएगा।

(3) समुनितसरकार,नवद्यर्ालर्ोंको,ऐसीरीनतमेंऔरऐसीशतोंकेअीिरहतेहुए,िोनवनहतकीिाएं,दकसीबालकको,र्दिवहउपिारा (2)मेंनिर्ियष्टटपुि:परीक्षामेंअसफलरहताहैतो,पांिवींकक्षामेंर्ाआठवींकक्षामेंर्ािोिोंकक्षाओंमेंरोकेिािेकेनलएअुज्ञातकरसकेगी :

(4) दकसीबालकको,प्रारंनिकनशक्षापूरीदकएिािेतकनवद्याल्सेनिष्टकानसतिहींदकर्ािाएगा।]

17. बालककेशारीररकिंडऔरमाि‍नसकउत्पीड़िकाप्रनतषेि—

(1)दकसीबालककोशारीररकिंडिहींदिर्ाि‍िाएगार्ाउसकामाि‍नसकउत्पीड़िहींदकर्ाि‍िाएगा।

(2) □□

ि‍िोकोईउपिारा (1)केउपबंि‍िोंकाउल्लंघिकरेगा,वहऐसेव्र्नतकोलागूसेवानिर्मोंकेअिीिअिुशासनिककारयवाईकाि‍िार्ीहोगा।

18. मान्र्ता प्रमाणत्र अनिप्राप्त दकए नबिा दकसी नवद्याल-का स्थानपत ि दकर्ा ि‍िाि‍िा—(1) समुनित सरकार र्ा स्थाि‍िी-प्रानिकारी द्वारा स्थानपत, उसके स्वानमत्वाि‍िीि र्ा निर्ंत्रणाि‍िीि दकसी नवद्याल-से निन्ि कोई नवद्यालर्, इस अनिनिर्म के प्रारंि

केपश्ि‍िात्,ऐसेप्रानिकारीसे,ऐसेप्ररूपमेंऔरऐसीरीनतमें,ि‍िोनवनहतकीि‍िाए,कोईआवेि‍िकरकेमान्र्ताप्रमाणपत्रअनिप्राप्तदकएन बिास्थानपतिहींदकर्ाि‍िाएगार्ाकार्यिहींकरेगा।

[1] 2019केअनिनिर्मसं० 1कीि‍िारा 2 द्वाराप्रनतस्थानपत।

(2)

उपिारा (1)केअिीिनवनहतप्रानिकारीऐसेप्ररूपमें,ऐसीअवनिकेि‍िीतर,ऐसीरीनतमेंऔरऐसीशतोंकेअिीिरहतेहुए,ि‍िोनवनहतकीि‍िाएं ,मान्र्ताप्रमाणपत्रिारीकरेगा :

परंतुदकसीनवद्याल-कोऐसीमान्र्तातबतकिअुि‍ित्तिहींकीि‍िाएगीिबतकवहिारा 19केअिीिनवनिर्ि‍िष्टमाि‍औरमाि‍कोंकोपूरािहींकरताहै।

(3)मान्र्ताकीशतोंकेउल्लंघिपर,नवनहतप्रानिकारीनलनितिओशद्वारा,मान्र्तावापसलेलेगा :

परंतुऐसेआिेशमेंआसपासकेउसनवद्याल-केबारेमेंनिि‍िेशहोगानिसमेंगैर-मान्र्ताप्राप्तनवद्याल-मेंअध्र्र्ि‍िकररहेबालकोंकोप्रवेशिदर्ाि‍िाएगा :

परंतुहऔरदकऐसीमान्र्ताकोऐसेनवद्याल-को,ऐसीरीनतमेंि‍िोनवनहतकीि‍िाए,सुि‍िवाईकाअवसरिदएनबिावापसिहींनलर्ाि‍िाएगा।

(4)ऐसानवद्यालर्,उपिारा (3)केअिीिमान्र्तावापसलेिेकीतारीिसेकार्यकरिाि‍िारीिहींरिेगा।

(5)कोईव्र्नत,ि‍िोमान्र्ताप्रमाणपत्रअनिप्राप्तदकएनबिाकोईनवद्याल-स्थानपतकरताहैर्ाि‍िलाताहैर्ामान्र्तावापसलेिेकेपश्ि‍िात्नवद्याल-ि‍िलाि‍िाि‍िारीरिताहै,िुमायिसे,ि‍िोएकलािरुपएतकहोसकेगाऔरउल्लंघिि‍िारीरहिेकीिशामेंिुमायिसेि‍िोऐसेप्रत्र्ेकिदिकेनलए,निसकेिौरािऐसाउल्लंघिि‍िारीरहताहै,िसहाररुपएतकहोसकेगा,ि‍िार्ीहोगा।

19. नवद्याल-केमाि‍औरमाि‍क—

(1)दकसीनवद्याल-को,ि‍िारा 18केअिीितबतकस्थानपतिहींदकर्ाि‍िाएगा,र्ामान्र्तािहींिीि‍िाएगीिबतकवहअिुसूि‍िीमेंनवनिर्ि‍िष्टमाि‍औरमाि‍कोंकोपूरािहींकरताहै।

(2)िहांइसअनिनिर्मकेप्रारंिसेपूवयस्थानपतकोईनवद्याल-अिुसूि‍िीमेंनवनिर्ि‍िष्टमाि‍औरमाि‍कोंकोपूरािहींकरताहै,वहांवहऐसेप्रारंिकीतारीिसेतीिवषयकीअवनिकेि‍िीतरअपिेि‍िेपरऐसेमाि‍औरमाि‍कोंकोपूराकरिेकेनलएकमउठाएगा।

(3)िहांकोईनवद्यालर्,उपिारा (2)केअिीिनवनिर्ि‍िष्टअवनिकेि‍िीतरमाि‍औरमाि‍कोंकोपूराकरिेमेंअसफलरहताहै,वहांि‍िारा 18कीउपिारा (1)केअिीिनवनहतप्रानिकारी,ऐसेनवद्याल-कोअिुि‍ित्तमान्र्ताकोउसकीउपिारा (3)केअिीिनवनिर्ि‍िष्टरीनतमेंवापसलेलेगा।

(4)कोईनवद्याल-उपिारा (3)केअिीिमान्र्तावापसलेिेकीतारीिसेकार्यकरिाि‍िारीिहींरिेगा।

(5)कोईव्र्नत,ि‍िोमान्र्तावापसलेिेकेपश्ि‍िात्कोईनवद्याल-ि‍िलाि‍िाि‍िारीरिताहै,िुमायिसेि‍िोएकलािरुपएतकहोसकेगाऔरउल्लंघिि‍िारीरहिेकीिशामें,ऐसेप्रत्र्ेकिदिकेनलए,निसकेिौरािउल्लंघिि‍िारीरहताहै,िसहाररुपएकेिुमायिेकाि‍िार्ीहोगा।

20. अिुसूि‍िी का संशोिि करिे की शनत—केन्द्री-सरकार, अनिसूि‍िा द्वारा, अिुसूि‍िी का, उसमें दकसी माि र्ा माि‍क कोि‍िोड़करर्ाउससेउसकालोपकरकेसंशोिि‍िकरसकेगी।

21. नवद्याल-प्रबंिसनमनत—

(1)ि‍िारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(iv)मेंनवनिर्ि‍िष्टदकसीनवद्याल-सेनिन्िनवद्याल-स्थाि‍िी-प्रानिकारी,ऐसेनवद्याल-मेंप्रवेशप्राप्तबालकोंकेमाता-नपतार्ासंरक्षकऔरनशक्षकोंकेनिवायनितप्रनतनिनिर्ोंसेनमलकरबििेवालीएकनवद्याल-प्रबंिसनमनतकागठिकरेगा :

परंतुऐसीसनमनतकेकमसेकमतीिि‍िौथाईसस्माता-नपतार्ासंरक्षकहोंगे :

परंतुहऔरदकअलानितसमूहऔरिुबयलवगयकेबालकोंकेमाता-नपतार्ासंरक्षकोंकोसमािुपातीप्रनतनिनित्विदर्ाि‍िाएगा : परंतुर्हिदकऐसीसनमनतकेपिासप्रनतशतिसस्न्स्त्रर्ांहोंगी।

(2)नवद्याल-प्रबंिसनमनतनिम्ननलनितकृत्र्ोंकापालिकरेगी,अथायत—

(क)नवद्याल-केकार्यकरणकोमाि‍िीटरकरिा ;

(ि)नवद्याल-नवकासर्ोि‍िि‍िातैर्ारकरिाऔरउसकीनसफाररशकरिा ;

(ग) समुनित सरकार र्ा स्थाि‍िी-प्रानिकारी अथवा दकसी अन्-स्रोत से प्राप्त अिुि‍िािोंके उपर्ोग को मानिटर करिा ;और

(घ)ऐसेअन्कृत्र्ोंकापालिकरिा,ि‍िोनवनहतदकएिाएं :

[1][परंतु,—

(क)अल्पसंख्र्कद्वारास्थानपतऔरप्रशानसतदकसीनवद्यालर्,ि‍िाहेवहिमयिआररतहोर्ािाषाआररतहो ;और

(ि)िारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(ii)मेंर्थापररिानषतअन्सिीसहार्ताप्राप्तनवद्यालर्ोंं, केसंबंिमेंउपिारा (1)केअिीिगरठतनवद्यालन्प्रबंिसनमनतकेवलसलाहकारसंबंिीकृर्ोंंकापालिकरेगी।]

12012 केअनिनिमर्सं० 30कीिारा 5द्वाराअंत:स्थानपत।

22. नवद्यालन्नवकासर्ोिििा—

(1)िारा 21कीउपिारा (1)केअिीिगरठतप्रत्ेकनवद्यालन्प्रबंिसनमनत1[अल्पसंखर्कद्वारा,स्थानपतऔरप्रशानसतदकसीनवद्यालर्,िाहेवहिमियिआररतहोर्ािाषाआिररत,तथािारा 2केिंड(ढ)केउपिंड(ii)मेंर्थापररिानषतदकसीसहार्ताप्राप्तनवद्यालन्केसंबंिमेंनवद्यालन्प्रबंिसनमनतकेनसवार्,]ऐसीरीनतमें,िनवनहतकीिाए,एकनवद्यालन्नवकासर्ोिितैर्ारकरेगी।

(2)उपिारा (1)केअिीिइसप्रकारतैर्ारकीगईनवद्यालन्नवकासर्ोििा,र्थानस्थनत,समुनितसरकारर्ास्थािीन्प्रानिकारीद्वाराबिाईिािेवालीर्ोििाओंऔरिदएिािेवालेअिुिािोंंकाआिारहोगी।

23. नशक्षकोंकीनिर्ुनतकेनलएअहयताएंऔरसेवाकेनिबंििऔरशतें—

(1)कोईव्र्नत,निसकेपासकेन्द्रीन्सरकारद्वारा,अनिसूििाद्वाराप्रानिकृतदकसीनशक्षाप्रानिकारीद्वारार्थाअनिकनथतन्ूितमअहयताएंहैं,नशक्षककेरूपमेंनिर्ुनतकेनलएपात्रहोगा।

(2)िहांदकसीराज्न्मेंअध्र्ापकनशक्षाकेपाठ्यक्रमर्ाउसमेंप्रनशक्षणिप्रािकरिेवालीपर्ायप्तसंस्थाएंिहींहैंर्ाउपिारा (1)केअिीिर्थाअनिकनथतन्ूितमअहयताएंरििेवालेनशक्षकपर्ायप्तसंखर्ामेंिहींहैंवहांकेन्द्रीन्सरकार,र्दिवहआवश्र्कसमझे,अनिसूििाद्वारा,नशक्षककेरूपमेंनिर्ुनतकेनलएअपेनक्षतन्ूितमअहयताओंकोपांिवषयसेअनिककीऐसीअवनिकेनलएनशनथलकरसकेगी,िोउसअनिसूििामेंनवनिर्ियष्टकीिाए:

परंतुऐसाकोईनशक्षक,निसकेपासइसअनिनिमर्केप्रारंिपरउपिारा (1)केअिीिर्थाअनिकनथतन्ूितमअहयताएंिहींहैं,पांिवषयकीअवनिकेिीतरऐसीन्ूितमअहयताएंअर्ियतकरेगा।

2[परंतुहऔर दक 31 माि्य, 2015 कोनिर्ु त र्ाउस रूप में निर्ु त ऐसाप्रत्ेक नशक्षक, िोउपिारा (1) के अिीि र्थाअनिकनथतन्ूितमअहयतािहींरिताहै,नि:शुल्कऔरअनिवायर्बालनशक्षाकाअनिकार(संशोिि)अनिनिमर्,2017केप्रारंिकीतारीिसेिारवषयकीअवनिकेिीतरऐसीन्ूितमअहयताअर्ियतकरेगा।]

(3)नशक्षककोसंदेर्वेतिऔरित्तेतथाउसकीसेवाकेनिबंििऔरशतेंवेहोंगीिोनवनहतकीिाएं।

24. नशक्षकोंकेकतयव्न्औरनशकार्तोंकोदूरकरिा—

(1)िारा 23कीउपिारा (1)केअिीिनिर्ु तनशक्षकिनम्िनलनितकतयव्र्ोंंकापालिकरेगा,अथायत्:—

(क)नवद्यालन्मेंउपनस्थतहोिेमेंनिर्नमतताऔरसमन्पालि;

(ि)िारा 29कीउपिारा (2)केउपबंिोंंकेअिुसारपाठ्यक्रमसंिानलतकरिाऔरउसेपूराकरिा;

(ग)नवनिर्ियष्टसमन्केिीतरसंपूणयपाठ्यक्रमपूराकरिा;

(घ)प्रत्ेकबालककीनशक्षाग्रहणकरिेकेसामथर्यकानििायरणकरिाऔरतदिुसारतथाअपेनक्षतअनतररतनशक्षण,र्दिकोईहो,िोड़िा;

(ङ)माता-नपताऔरसंरक्षकोंकेसाथिनर्नमतबैठकेंकरिाऔरबालककेबारेमेंउपनस्थनतमेंनिर्नमतता,नशक्षाग्रहणकरिेकासामथर्य,नशक्षणमेंकीगईप्रगनतऔरदकसीअन्सुसंगतिािकारीकेबारेमेंउन्हेंअवगतकरािा;और

(ि)ऐसेअन्कतयव्र्ोंंकापालिकरिा,िोनवनहतदकएिाएं।

(2)उपिारा (1)मेंनवनिर्ियष्टकतयव्र्ोंंकेपालिमेंव्र्नतक्रमकरिेवाला/वालीकोईनशक्षक/नशनक्षका,उसेलागूसेवानिर्मोंकेअिीिअिुशासनिककारयवाईकेनलएिार्ीहोगा/होगी :

परंतुऐसीअिुशासनिककारयवाईकरिेसेपूवयऐसेनशक्षक/ऐसीनशनक्षकाकोसुिवाईकार्ुनतर्ु तअवसरिदर्ािाएगा।

(3)नशक्षककीनशकार्तोंको,र्दिकोईहों,ऐसीरीनतमेंदूरदकर्ािाएगा,िोनवनहतकीिाए।

25. छात्र-नशक्षक अिुपात—(1) इस अनिनिमर्के प्रारंि की तारीि से 3[तीि वषय के िीतर] समुनित सरकार और स्थािीन्प्रानिकारीहर्सुनिनश्ितकरेंगेदकप्रत्ेकनवद्यालन्मेंछात्र-नशक्षकिअुपातिअुसूिीमेंनवनिर्ियष्टदकएगएअिुसारिबाएरिािाए।(2)उपिारा (1)केअिीिछात्र-नशक्षकिअुपातिबाएरिािेकेप्रर्ोििकेनलए,दकसीनवद्यालन्मेंतैिातदकएगएदकसीनशक्षककोदकसीअन्नवद्यालर्ाकार्ायलन्मेंसेवािहींकरिीिािाएगीर्ािारा 27 मेंनवनिर्ियष्टप्रर्ोििोंसेनिन्िदकसीगैर-शैनक्षकप्रर्ोििकेनलएअनिर्ोनितिहींदकर्ािाएगा।

26. नशक्षकों की ररनतर्ोंं का िरा िािा—निर्ुनत प्रानिकारी, समुनित सरकार र्ा दकसी स्थािी-प्रानिकारी द्वारास्थानपत, उसके स्वानमत्वािीि, निरंत्रणािीि र्ा उसके द्वारा प्रत्क्षत: र्ा अप्रत्क्षत: उपलब्ि करवाई गई निनिर्ोंं द्वारा िागत:नवत्तपोनषतदकसीनवद्यालन्केसंबंिमेंहर्सुनिनश्ितकरेगादकउसकेनिरंत्रणािीिदकसीनवद्यालन्मेंनशक्षककेररनतपकुलस्वीकृतिपसंखर्ाकेिसप्रनतशतसेअनिकिहींहोंगे।

27. गैर-शैनक्षकप्रर्ोििोंकेनलएनशक्षकोंकोअनिर्ोनितदकएिािेकाप्रनतषेि—दकसीनशक्षककोिसवषीर्िसंखर्ािगणिा, आपिा राहत कतयव्र्ोंं र्ा, र्थानस्थनत, स्थािी-प्रानिकारी र्ा राज्न नविाि-मंडलों र्ा संसद् के निवायििोंं से संबंनितकतयव्र्ोंसेनिन्िदकसीगैर-शैनक्षकप्रर्ोििोंकेनलएअनिनिर्ोनितिहींदकर्ािाएगा।

1 2012
केअनिनिमर्सं० 30कीि्ारा 6द्वाराअंत:स्थानपत।
22017 केअनिनिमर्सं० 24कीि्ारा 2द्वाराअंत:स्थानपत।
3 2012
केअनिनिमर्सं० 30कीि्ारा 7द्वाराप्रनतस्थानपत।

28. नशक्षकद्वाराप्राइवेटट्यूशिकाप्रनतषेि्—
कोईनशक्षक/नशनक्षकाप्राइवेटट्यूशिर्ाप्राइवेटनशक्षणदक्रर्ाकलापमेंस्वर्ंकोि्हींलगाएगा/लगाएगी।

अध्र्ार्-5

प्रारंनिकनशक्षाकापाठ्यक्रमऔरउसकापूरादकर्ाि्ाि्ा

29. पाठ्यक्रमऔरमूल्र्ांकिप्रदक्रर्ा—
(1)प्रारंनिकनशक्षाकेनलएपाठ्यक्रमऔरउसकीमूल्र्ांकिप्रदक्रर्ासमुनितसरकारद्वारा,अनिसूि्ि्ाद्वारा,नवनिर्ियष्टदकएि्िवालेनशक्षाप्रानिकारीद्वाराअनिकनथतकीि्ाएगी।

(2)नशक्षाप्रानिकारी,उपिारा (1)केअिीिपाठ्यक्रमऔरमूल्र्ांकिप्रदक्रर्ाअनिकनथतकरतेसमन्निम्नलनितबातोंकोध्र्ािमेंरिेगा,अथायत्:—

(क)संनविाि्मेंप्रनतष्ठानपतमूल्र्ोंसेअिुरूपता;

(ि)बालककासवाांगीणनवकास;

(ग)बालककेज्ञाि,अन्त:शनत,र्ोग्र्ताकानिमायणकरिा;

(घ)पूणयतममात्रातकशारीररकऔरमाि्नसकर्ोग्र्ताओंकानवकास;

(ङ)बालिअुकूलऔरबालकेनन्द्रतरीनतमेंदक्रर्ाकलापों,प्रकटीकरणऔरिोिकेद्वारानशक्षण;

(ि)नशक्षाकामाध्र्म,िहांतकसाध्र्होबालककीमातृिाषामेंहोगा;

(छ)बालककोिर्,माि्नसकअनिघातऔरिनन्तामु तिबाि्ाऔरबालककोस्वतंत्ररूपसेमतव्र्तकरिेमें सहार्ताकरिा;

(ि)बालककेसमझिेकीशनतऔरउसेउपर्ोगकरिेकीउसकीर्ोग्र्ताकाव्र्ापकऔरसततमूल्र्ांकि।

30. परीक्षाऔरसमापिप्रमाणपत्र—
(1)दकसीबालकसेप्रारंनिकनशक्षापूरीहोिेतककोईबोडयपरीक्षाउत्तीणयकरिेकीअपेक्षाि्हींकीि्ाएगी।

(2)प्रत्र्ेकबालकको,निसिेअपिीप्रारंनिकनशक्षापूरीकरलीहै,ऐसेप्ररूपऔरऐसीरीनतमें,िोनवनहतकीि्ाए,एकप्रमाणपत्रिदर्ाि्ाएगा।

अध्र्ार्-6

बालकोंकेअनिकारकासंरक्षण

31. बालककेनशक्षाकेअनिकारकोमानिटरकरिा—(1)बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगअनिनिर्म,2005 (2006 का 4)की,र्थानस्थनत,िारा 3केअिीिगरठतराष्टरीर्बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगर्ाि्ारा 17केअिीिगरठतराज्र्बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोग,उसअनिनिर्मकेअिीिउन्हेंसमिुिेनशतकृत्र्ोंकेअनतररतनिम्नलनितकृत्र्ोंकािीपालिकरेगा,अथायत्:—

(क)इसअनिनिर्मद्वारार्ाउसकेअिीिउपबंनितअनिकारोंकेरक्षोपार्ोंकीपरीक्षाऔरपुिर्वयलोकिकरिा औरउिकेप्रिावीकार्ायन्वर्िकेनलएअध्र्ुपार्ोंकीनसफाररशकरिा;

(ि)नि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकेबालककेअनिकारसंबंिीपररवािोंकीिांिकरिा;और

(ग) उत बालक अनिकार संरक्षण आर्ोग अनिनिर्म की िारा 15 और िारा 24 के अिीि र्था उपबंनित आवश्र्कउपार्करिा।

(2)उतआर्ोगोंको,उपिारा (1)केिंड(ग)केअिीिनि:शुल्कऔरअनिवायर्नशक्षाकेबालककेअनिकारसेसंबंनितदकसीनवषर्मेंिांिकरतेसमर्वहीशनतर्ांहोंगी,िोउतबालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगअनिनिर्मकीक्रमश:िारा 14औरिारा 24केअिीिउन्हेंसमिुिेनशतकीगईहैं।

(3)िहांदकसीराज्र्में,राज्र्बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगगरठतिहींदकर्ागर्ाहैवहांसमुनितसरकारउपिारा (1)केिंड(क)सेिंड(ग)मेंनवनिर्ियष्टकृत्र्ोंकापालिकरिेकेप्रर्ोििकेनलएऐसीरीनतमेंऔरऐसेनिबंिि्ोंऔरशतोंकेअिीिरहतेहुए,िोनवनहतकीि्ाएं,ऐसेप्रानिकरणकागठिकरसकेगी।

32. नशकार्तोंकोिूरकरिा—
(1)िारा 31मेंदकसीबातकेहोतेहुएिी,कोईव्र्नत,निसेइसअनिनिर्मकेअिीिदकसीबालककेअनिकारकेसंबंिमेंकोईनशकार्तहै,अनिकाररतारििेवालेस्थािीर्प्रानिकारीकोनलनितमेंनशकार्तकरसकेगा। (2) उपिारा (1) के अिीि नशकार्त प्राप्त होिे के पश्िात्, स्थािीर् प्रानिकारी, संबंनित पक्षकारों को सुिे िािे का र्ुनतर्ु त अवसरिप्रािकरिेकेपश्िात्मामलेकातीिमासकीअवनिकेिीतरनिपटाराकरेगा।

(3)स्थािीर्प्रानिकारीकेनवनिश्िर्सेव्र्नथतकोईव्र्नत,र्थानस्थनत,राज्र्बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगकोर्ािारा 31कीउपिारा (3)केअिीिनवनहतप्रानिकारीकोअपीलकरसकेगा।

(4)उपिारा (3)केअिीिकीगईअपीलकानवनिश्िर्िारा 31कीउपिारा (1)केिंड(ग)केअिीिर्थाउपबंनित,र्थानस्थनत,रा

ज्बालकअनिकारसंरक्षणआर्ोगर्ािारा 31कीउपिारा (3)केअीिनवनहतप्रानिकारीद्वारादकर्ाािएगा। **33.** राष्टरीन्सलाहकारपररषि्कागठि—

(1)केन्द्रीन्सरकार,अनिसूििाद्वारा,एकराष्टरीन्सलाहकारपररषि्कागठिकरेगी,निसमेंपंद्रहसेअनिकउतिेसिस्होंगे,नितिेकेन्द्रीन्सरकारआवश्र्कसमझे,निकीनिर्ुनतप्रारंनिकनशक्षाऔरबालनवकासकेक्षेत्रमेंज्ञािऔरव्वहाररकिअुिविरिेवालेव्नतर्ोंमेंसेकीिाएगी।

(2)राष्टरीन्सलाहकारपररषि्केकृत्,अनिनिमर्केउपबंिोंकेप्रिावीरूपमेंकार्ायन्वर्िकेसंबंिमेंकेन्द्रीन्सरकारकोसलाहिेिा,होंगे।

(3)राष्टरीन्सलाहकारपररषि्केसिस्ोंकेित्तेऔररिनर्ुनतकेअन्निबंििऔरशतेंवेहोंगी,िोनवनहतकीिाएं।

34. राज्सलाहकारपररषि्कागठि—

(1)राज्सरकार,अनिसूििाद्वारा,एकराज्सलाहकारपररषि्कागठिकरेगी,निसमेंपन्द्रहसेअनिकउतिेसिस्होंगे,नितिेराज्सरकारआवश्र्कसमझे,निकीनिर्ुनतप्रारंनिकनशक्षाऔरबालनवकासकेक्षेत्रमेंज्ञािऔरव्ावहाररकिअुिविरिेवालेव्नतर्ोंमेंसेकीिाएगी।

(2)राज्सलाहकारपररषि्केकृत्,अनिनिमर्केउपबंिोंकेप्रिावीरूपमेंकार्ायन्वर्िकेसंबंिमेंराज्सरकारकोसलाहिेिा,होंगे।

(3)राज्सलाहकारपररषि्केसिस्ोंकेित्तेऔररिनर्ुनतकेअन्निबंििऔरशतेंवेहोंगी,िोनवनहतकीिाएं।

अध्र्ा-7

प्रकीणय

35. निििेश िारी करिे की शनत—(1) केन्द्री-सरकार, र्थानस्थनत, समुनित सरकार र्ा स्थािी-प्रानिकारी को ऐसेमागयिशयकनसद्धांतिारीकरसकेगीिोवहइसअनिनिमर्केउपबंिोंकेकार्ायन्वर्िकेप्रर्ोििोंकेनलएठीकसमझे।

(2)समुनितसरकार,इसअनिनिमर्केउपबंिोंकेकार्ायन्वर्िकेसंबंिमें,स्थािीन्प्रानिकारीर्ानवद्यालन्प्रबंिसनमनतकोऐसेमागयिशयकनसद्धांतिारीकरसकेगीऔरऐसेनििेशिसकेगी,िोवहठीकसमझे।

(3)स्थािीन्प्रानिकारी,इसअनिनिमर्केउपबंिोंकेकार्ायन्वर्िकेसंबंिमेंनवद्यालन्प्रबंिसनमनतकोऐसेमागयिशयकनसद्धांतिारीकरसकेगाऔरऐसेनििेशिसकेगा,िोवहठीकसमझे।

36. अनिर्ोिकेनलएपूवयमंिूरी—िारा 13कीउपिारा (2),िारा 18कीउपिारा (5)औरिारा 19कीउपिारा (5)केअीििंडीि्अपरािोंकेनलएकोईअनिर्ोिसमुनितसरकारद्वारा,अनिसूििाद्वारा,इसिननमत्तप्रानिकृतदकसीअनिकारीकीपूवयमंिूरीकेनबिासंनस्थतिहींदकर्ाािएगा।

37. सि्िावपूवयककीगईकारयवाईकेनलएसंरक्षण— इसअनिनिमर्ाउसकेअीिबिाएगएदकसीनिमर्ाआिेशकेअिुसरणमेंसि्िावपूवयककीगईर्ाकीिािेकेनलएआशनतर्दकसीबातकेसंबंिमेंकोईवािाि,र्ाअन्नवनिकिकार्यवाहीकेन्द्रीन्सरकार, राज्सरकार, राष्टरी-बालक अनिकार संरक्षण आर्ोग, राज्बालक अनिकार संरक्षण आर्ोग, स्थािी-प्रानिकारी,नवद्यालन्प्रबंिसनमनतर्ादकसीव्नतकेनवरुद्धिहींहोगी।

38. समुनित सरकार की निमिर्बािे की शनत—(1) समुनितसरकार, अनिनिमर् के उपबंिों के कार्ायन्वर्ि के नलएअनिसूििाद्वारानिमिर्बासकेगी।

(2)नवनशष्टटतर्ाऔरपूवयगामीशनतर्ोंकीव्ापकतापरप्रनतकूलिप्रावडालेनबिा,ऐसेनिमिर्नमिनलनितिसीर्ादकन्हींनवषर्ोंकेनलएउपबंिकरसकेंगे,अथायत्:—

(क)िारा 4केपहलेपरंतुककेअीिनवशेषप्रनशक्षणििेकीरीनतऔरउसकीसमर्-सीमा;

(ि)िारा 6केअीिदकसीआसपासकेनवद्यालन्कीस्थापिाकेनलएक्षेत्रर्ासीमाएं;

(ग)िारा 9केिंड(घ)केअीििौहिवषयतककीआर्ुकेबालकोंकेअनिलेिरििािेकीरीनत;

(घ)िारा 12कीउपिारा (2)केअीिव्न्कीप्रनतपूर्तयकीरीनतऔरसीमा;

(ङ)िारा 14कीउपिारा (1)केअीिबालककीआर्ुकाअविारणकरिेहेतुकोईअन्िस्तावेि;

(ि)िारा 15केअीिप्रवेशलेिेकेनलएनवस्तारररतअवनिऔरर्दिनवस्तारररतअवनिकेपशिात्प्रवेशनलर्ाि‍ाताहैतोअध्र्िपूराकरिेकीरीनत;

1[(िक)ऐसीरीनतऔरशतें,निकेअीिरहतेहुएिारा 16कीउपिारा (3) केअीिदकसीबालककोरोकािासकेगा।]

(छ)वहप्रानिकारी,प्ररूपऔररीनत,निसकोऔरनिसमेंिारा 18कीउपिारा (1)केअीिमान्र्ताप्रमाणपत्रकेनलएआवेििदकर्ाािएगा;

(ि)िारा 18कीउपिारा (2)केअीिमान्र्ताप्रमाणपत्रकाप्ररूप,अवनि,उसेिारीकरिेकीरीनतऔरशतें;

(झ)िारा 18कीउपिारा (3)केिूसरेपरन्तुककेअीिसुिवाईकाअवसरिप्रािकरिेकीरीनत;

(ञ)ि◌ारा 21कीउपिारा (2)केि◌ंड(घ)केअिीि◌नवद्यालन्प्रबंि◌सनमनतद्वारादकएिाि◌ेवालेअन्कृत्;

(ट)ि◌ारा 22कीउपिारा (1)केअिीि◌नवद्यालन्नवकासर्◌ोि◌ि◌ातैर्◌ारकरिेकीरीनत;

(ठ)ि◌ारा 23कीउपिारा (3)केअिीि◌नशक्षककोसंिे◌न्वेतिऔररित्तेतथाउसकीसेवाकेनिबंि◌िऔरशतें;

(ड)ि◌ारा 24कीउपिारा (1)केि◌ंड(ि)केअिीि◌नशक्षकद्वारापालिदकएिाि◌ेवालेकतयव्;

(ढ)ि◌ारा 24कीउपिारा (3)केअिीि◌नशक्षकोंकीनशकार्तोंकोि◌ूरकरिेकीरीनत;

(ण)ि◌ारा 30कीउपिारा (2)केअिीि◌प्रारंनिकनशक्षापूरीकरिेकेनलएप्रमाणपत्रिि◌ेकाप्ररूपऔररीनत;

(त)ि◌ारा 31कीउपिारा (3)केअिीि◌प्रानिकरण,उसकेगठिकीरीनतऔरउसकेनिबंि◌िऔरशतें;

(थ)ि◌ारा 33कीउपिारा (3)केअिीि◌राष्टरीन्सलाहकारपररषि्केसिस्◌ो◌ंकेि◌त्तेऔररिउकीनिर्◌ुनतकेअन्नि बंि◌िऔरशतें;

(ि)ि◌ारा 34कीउपिारा (3)केअिीि◌राज्सलाहकारपररषि्केसिस्◌ो◌ंकेि◌त्तेऔररिउकीनिर्◌ुनतकेअन्निबं ि◌िऔरशतें।

(3)इसअनिनिमर्केअिीि◌केन्द्रीन्सरकारद्वाराबिार्◌ागर्◌ाप्रत्◌ेकनिमऔरकेन्द्रीन्सरकारद्वाराि◌ारा 20औररिारा 23केअिी ि◌ि◌ारीप्रत्◌ेकअनिसूि◌ि◌ा,बिािएिाि◌ेकेपशि◌ात्,थाशीघ्रसंसि्केप्रत्◌ेकसि◌िकेसमक्ष,िबवहसत्रमेंहो,कुलतीसदि◌िकीअव निकेनलएिराि◌ाएगा/रीि◌ाएगी।हअवनिएकसत्रमेंअथवाि◌ोर्◌ाअनिकआिुक्रनमकसत्रोंमेंपूरीहोसकेगी।र्दिउससत्रकेर्◌ापू वो तिआिुक्रनमकसत्रोंकेठीकबाि◌केसत्रकेअवसाि◌केपूवयिोि◌ो◌ंसिि◌उसनिमर्◌ाअनिसूि◌ि◌ामेंकोईपररवतयिकरिेकेनलएसहम तहोि◌ाएंतोतत्पशि◌ात्वहऐसेपररवर्तयतरूपमेंहीप्राविहोगा/होगी।र्दिउतअवसाि◌केपूवयिोि◌ो◌ं सिि◌ सहमत हो ि◌ाएं दक वह निर्म र्◌ा अनिसूि◌ि◌ा ि◌हीं बिार्◌ा/बिाई ि◌ाि◌ी ि◌ानहए तो तत्पशि◌ात् वह निष्प्राव होि◌ाएगा/ि◌ाएगी । दकन्तु निर्म र्◌ा अनिसूि◌ि◌ा के ऐसे पररवर्तयत र्◌ा निष्प्राव होि◌े से उसके अिीि◌ पहले की गई दकसी बात कीनवनिमान्र्तापरप्रनतकूलप्राविहींपड़ेगा।

(4)इसअनिनिमर्केअिीि◌राज्सरकारद्वाराबिार्◌ागर्◌ाप्रत्◌ेकनिमर्◌ाअनिसूि◌ि◌ाबिाए/बिाईिाि◌ेकेपशि◌ात्,थाशीघ्र ,राज्नविाि-मंडलकेसमक्षिराि◌ाएगा/रीि◌ाएगी।

[2][**39.** करठिाइर्◌ो◌ंकोि◌ूरकरिेकीकेंद्रीन्सरकारकीशनत—(1)र्दिइसअनिनिमर्केउपबंि◌ो◌ंकोप्राविकरिेमेंकोईकरठिाईउत्पन्ि◌होतीहैतोकेन्द्रीन्सरकार,राि◌पत्रमेंप्रकानशतिओशद्वारा,ऐसेउप बंि,ि◌ोइसअनिनिमर्केउपबंि◌ो◌ंसेअसंगतिहों,करसकेगी,ि◌ोउसकरठिाईकोि◌ूरकरिेकेनलएआवश्र्कप्रतीतहों :

परंतुइसिाराकेअिीि◌कोईआि◌ेश,नि:शुल्कऔरअनिवायबालनशक्षाकाअनिकार(संशोि◌ि)अनिनिर्म,2012 केप्रारंि◌सेतीि◌वषयकेपशि◌ात्ि◌हींदकर्◌ाि◌ाएगा।

(2)इसिाराकेअिीि◌दकर्◌ागर्◌ाप्रत्◌ेकिओश,उसकेदकएिाि◌ेकेपशि◌ात्,थाशीघ्र,संसि्केप्रत्◌ेकसि◌िकेसमक्षिराि◌ा एगा।]

[1]2019 केअनिनिमर्सं० 1कीि◌ारा 3द्वाराअंत:स्थानपत।
[2]2012 केअनिनिमर्सं० 30कीि◌ारा 8द्वाराअंत:स्थानपत।

अिुसूि◌ी

(ि◌ारा 19औररिारा 25ि◌ेनिए)

नवद्यालन्केनलएमाि◌औरमाि◌क

क्र०सं०	मि		माि◌औरमाि◌क
1.	नशक्षकोंकीसंखर्◌ा :		
	(क)पहलीकक्षासेपांि◌वींकक्षाकेनलए प्रवेशदकएगएबालक		नशक्षकोंकीसंखर्◌ा
		साठतक	ि◌ो
		इकसठसेि◌ब्बेकेमध््	तीि◌
		इर्◌ाि◌वेऔरएकसौबीसकेमध््	ि◌ार

एकसौइकीसऔरिोसौकेमध््	पांि
एकसौपिासबालकोंसेअनिक	पांििएकिप्राि अध््ापक
िोसौबालकोंसेअनिक	छात्र-नशक्षकिअुपात(प्रािअध््ापक को छोड़कर) िालीससेअनिकिहींहोगा।

(ि)छठीकक्षासेआठवींकक्षाकेनलए
(1) कम से कम प्रनत कक्षा एक नशक्षक, इस प्रकार होगा दकिनमिनलनितप्रत््ेककेनलएकमसेकमएकनशक्षकहो—
(i) नवज्ञािऔरगनणत;
(ii)सामानिकअध््ि;
(iii)िाषा।
(2)प्रत््ेकपैंतीसबालकोंकेनलएकमसेकमएकनशक्षक।
(3)िहांएकसौसेअनिकबालकोंकोप्रवेशिदर््ागर््ाहैवहां— (i)एकपूणयकानलकिप्राि अध््ापक;
(ii)निमिनलनितकेनलएअंशकानलकनशक्षक—
(अ)कलानशक्षा ;
(आ)स्वास्थ्ऱऔरशारीररकनशक्षा ;
(इ)कायर्नशक्षा।

क्र०सं०	मि माि औरमािक	
2.	िवि एक	सीमीौसमवालेिवि,निसमेंनिमिनलनितहोंगे— (i) प्रत््ेक नशक्षक के नलए कम से कम एक कक्षा और कार््ायलर्-सह-ििंडार-सहिप्रािअध््ापककक्ष; (ii)बािामु तपहुंि; (iii)लड़कोंऔरलड़दकर्ोंकेनलएपृथक्शौििालर्; (iv) सिी बालकों के नलए सुरनक्षत औरपर््ायप्त पेन्िि सुनवि; (v)िहांिोपहरकािोििनवद्यालऱमेंपकार््ाििाताहै,वहां एकरसोई; (vi)िेलकामैिाि; (vii)सीमाििीवालर््ाबाड़द्वारानवद्यालर्विकीसुरक्षा करिेकेनलएव््वस्थाएं।
3.	एकशैक्षनणकवषयमेंकायिदर्वसों/नशक्षण घंटोंकीन््ूितमसंखर््ा	(i)पहलीसेपांिवींकक्षाकेनलएिोसौकायिदर्वस; (ii) छठी कक्षा से आठवीं कक्षा के नलए िो सौ बीस कायिदर्वस; (iii)पहलीकक्षासेपांिवीकक्षाकेनलएप्रनतशैक्षनणकवषयआठसौनशक्षणघंटे; (iv)छठीकक्षासेआठवींकक्षाकेनलएप्रनतशैक्षनणकवषयएकिहारनशक्षणघंटे।
4.	नशक्षककेनलएप्रनतसप्ताहकायर्घंटोंकी न््ूितमसंखर््ा	पैंतालीसनशक्षणघंटेनिसकेअंतगयततैर््ारीकेघंटेिीहैं।
5.	अध््ापिनशक्षणउपस्कर	प्रत््ेककक्षाकेनलएअपेक्षािुसारउपलबिकराएिाएंगे।
6.	पुस्तकालऱ	प्रत््ेकनवद्यालऱमेंएकपुस्तकालऱहोगा,निसमेंसमािारपत्र, पनत्रकाएं और सिी नवषर्ों पर पुस्तकें, निसके अंतगयत कहानिी की पुस्तकेंिीहैं,उपलबिहोंगी।
7.	िेलसामग्री,िेलऔरक्रीड़ाउपस्कर	प्रत््ेककक्षाकोअपेक्षािुसारउपलबिकराएिाएंगे।

———